SAMPLE CONTENT

CCE Pattern Perfect Notes

हिंदी सुलभभारती

Build Powerful Concepts

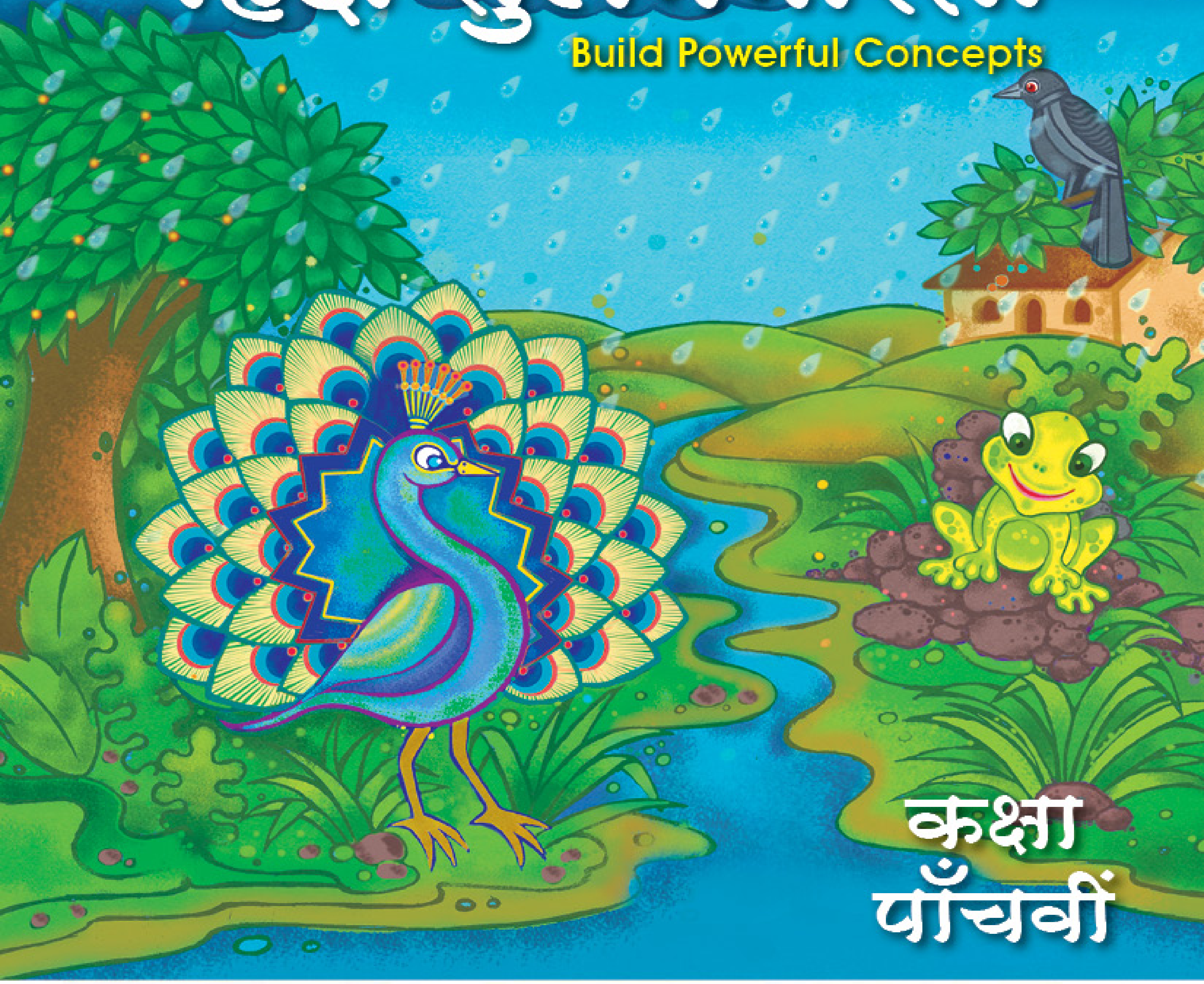

कक्षा पाँचवीं

Target Publications Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे
द्‌वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित

कक्षा पाँचवीं

हिंदी सुलभभारती

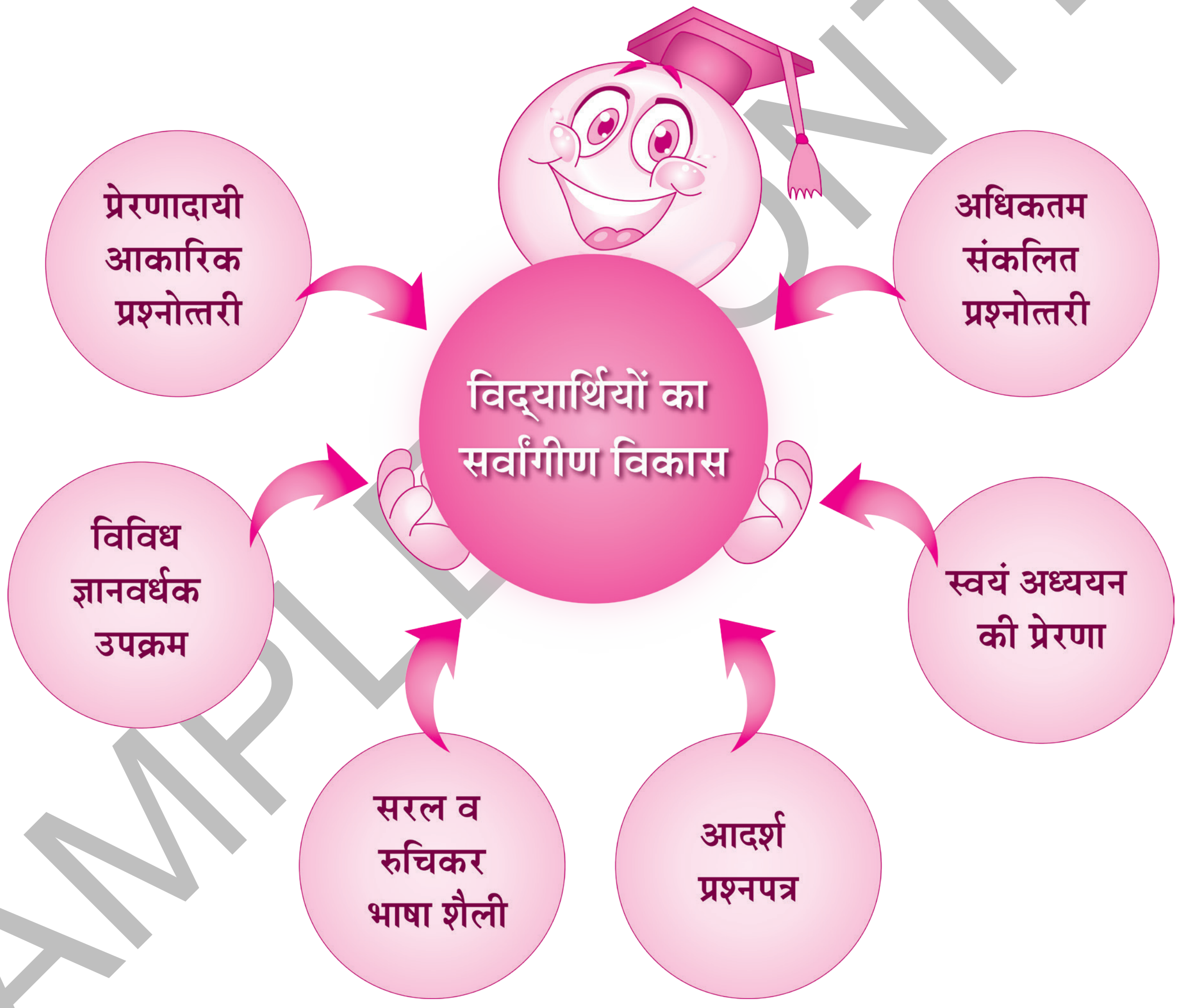

SAMPLE CONTENT

Printed at: **Repro India Ltd.,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

P.O. No. 43812

10551_11291_JUP

प्रस्तावना

प्यारे विद्यार्थियो!

कक्षा पाँचवीं में आपका स्वागत है। आपके गुणात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए शिक्षण मंडळ ने नवीन पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर **'टार्गेट पब्लिकेशन्स'** द्वारा **'कक्षा पाँचवीं हिंदी सुलभभारती'** पुस्तक की रचना की गई है। यह पुस्तक नवीन पाठ्यक्रम को सरल एवं रुचिकर बनाने के साथ-साथ विद्यार्थी एवं पाठ्यक्रम के बीच एक सेतु का कार्य करेगी। आपकी श्रवण, लेखन, भाषण-संभाषण व वाचन क्षमता को निखारने का भरपूर प्रयास इस पुस्तक के माध्यम से किया गया है। कक्षा पाँचवीं की पाठ्यपुस्तक को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तक का निर्माण किया गया है। अत: पाठ्यपुस्तक में पूछे गए सभी प्रश्नों एवं निर्देशों के सहज, सटीक एवं सोदाहरण जवाबों को इस पुस्तक में शामिल किया गया है।

पुस्तक में चित्रवाचन, कहानी, अनुरेखन, अनुलेखन, पहेली, वर्णमाला श्रुतलेखन, व्याकरण आदि के माध्यम से भाषा को और अधिक सहज, रुचिकर व रोचक बनाने की भरपूर कोशिश की गई है। प्रत्येक पाठ को शब्दार्थ, पाठ परिचय, उद्देश्य, भावार्थ, प्रश्नोत्तर के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आपकी सृजनात्मक, आकलन एवं बौद्धिक क्षमता के गुणात्मक विकास हेतु इस पुस्तक के माध्यम से गागर में सागर भरने का यह प्रयास आपकी शैक्षणिक राह को आसान करेगा। पुस्तक की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा। हमारा ई-मेल है: mail@targetpublications.org

आपके उज्ज्वल भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

प्रिय पाठको!

आप अपने व्यक्तिगत अनुभव हमसे साझा करिए और पाइए इस पुस्तिका में अपना नाम छपवाने का सुनहरा मौका।

इस पुस्तिका में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु 'व्यक्तिगत प्रतिक्रियावाले' कई प्रश्नों का समावेश किया गया है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आप इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखकर हमारे ई-मेल पते अथवा कार्यालय के डाक पते पर भेजिए। सुनिश्चित करें कि आपके नाम के साथ भेजे गए उत्तर जिस प्रश्न व पाठ से संबंधित हैं उनका भी उल्लेख किया गया हो।

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	लेखक/कवि	पृ.क्र.
	पहली इकाई		
	आओ खेलें	-	१
१.	नंदनवन	-	१०
२.	बूँदें	रोहिताश्व अस्थाना	१६
३.	योग्य चुनाव	सुधा शर्मा	२१
४.	कश्मीरा	-	२८
५.	पहचान हमारी - भाग (१)	-	२९
६.	पेटूराम	डॉ. त्रिलोकीनाथ [illegible]	३३
७.	बधाई कार्ड	-	३७
८.	करो और जानो	-	३९
९.	नीम	ल[illegible]ंत	४७
१०	गड़ा धन	-	५२
११.	मित्रता	-	५८
१२.	बचत	-	६३
१३.	पहचान हमारी - भाग (२)	-	६७
१४.	मैं सड़क [illegible]	-	७२
१५.	[illegible]	-	७९
१६.	खेलो और जानो	-	८४
	स्वयं अध्ययन	-	८७
	पुनरावर्तन १, २	-	९०-९३
	दूसरी इकाई		
१.	गाँव और शहर	-	९६
२.	जीवन	डॉ. कुलभूषणलाल मखीजा	१०२
३.	भाई-भाई का प्रेम	-	१०७
४.	बालिका दिवस	-	११२

क्र.	पाठ का नाम	लेखक/कवि	पृ.क्र.
५	रोबोट	-	११६
६.	जुड़ें हम	-	११८
७.	(अ) बो[illegible]	-	१२२
	(ब) समान - विरुद्ध	-	१२६
८.	बीज	रामेश्वरदयाल दुबे	१२८
९.	मुझे पहचानो	-	१३२
१०	मुझे जानो	-	१३४
११.	वीरों को प्रणाम	रमेश दीक्षित	१३७
१२.	सपूत	श्रीकृष्ण	१४२
१३.	राष्ट्रीय त्योहार	-	१४८
१४.	(अ) हम अलग - रूप एक	-	१५४
	(ब) छुक-छुक गाड़ी	-	१५६
१५.	ज्ञानी	-	१६०
१६.	बचाव	-	१६५
१७.	निरीक्षण	-	१७१
१८.	चलो-चलें	-	१७३
	स्वयं अध्ययन	-	१७७
	पुनरावर्तन ३, ४	-	१८०-१८२
	शब्द पहेली	-	१८५
	लेखन-विभाग		
	१. निबंध-लेखन	-	१८६
	२. कहानी-लेखन	-	१८९
	आदर्श प्रश्नपत्र - १	-	१९४
	आदर्श प्रश्नपत्र - २	-	१९६

नोट: पाठ में दिए गए प्रश्नों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

SAMPLE CONTENT

२. बूँदें

-रोहिताश्व अस्थाना

विषय प्रवेश

जब वर्षा ऋतु आती है तो आसमान से बूँदें बरसने लगती हैं। लोगों को गरमी से राहत मिलती है। चारों तरफ हरियाली छा जाती है। पेड़-पौधों के साथ-साथ सभी प्राणी खुश हो जाते हैं। नदी-नाले, तालाब, कुएँ सब पानी से भर जाते हैं। बूँदों के बरसते ही चारों तरफ आनंद छा जाता है।

उद्देश्य

इस कविता के माध्यम से हमारे जीवन में बरसात का महत्त्व दर्शाया गया है। धरती पर जीवन के लिए बरसात बहुत जरूरी है। बरसात गरमी से तपते लोगों को ठंडक पहुँचाती है। प्राणियों व पेड़-पौधों में नवजीवन का संचार करती है।

भावार्थ

रिमझिम-रिमझिम .... मिल जातीं बूँदें।

अर्थ: कवि कहता है कि आसमान से बूँदें जब धरती पर गिरती हैं तो ऐसा लगता है कि जैसे वे रिमझिम-रिमझिम करते हुए गा रही हैं। बरसात से खेतों, बागों, मैदानों-चारों तरफ हरियाली छा जाती है। धरती पर बरसता हुआ पानी नालों, नदियों से होता हुआ सागर में जाकर मिल जाता है।

गरमी से तपते ....मुसकातीं बूँदें।

अर्थ: जब ये बूँदें बरसती हैं तो गरमी से परेशान लोगों को ठंडक पहुँचती है। बरसात में मेंढक, मोर, पपीहे, कोयल सभी का मन खुश हो जाता है। वर्षा ऋतु में पुरवाई के रथ पर सवार होकर बूँदें इठलाती हुई धरती पर आती हैं।

शब्द वाटिका

इठलाना	मटकना (dally)
धरती	भूमि, जमीन (earth)
पुरवाई	पूरब की ओर से बहने वाली हवा (east wind)
मुसकाना	मुसकुराना (smile)
शीतलता	ठंडक (coldness)
हरषाना	खुश करना (to delight)

SAMPLE CONTENT

संकलित मूल्यांकन (Summative Assessment)

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

प्र.१. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

१. ये रिमझिम-रिमझिम गाती हैं - .... २. बूँदें ये फैलाती हैं - ....

३. इसमें मिल जाती हैं बूँदें - .... ४. इसके रथ पर चढ़कर आती हैं बूँदें - ....

उत्तर: १. बूँदें २. हरियाली ३. सागर ४. पुरवाई

प्र.२. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

१. बूँदें .... पर गाती हुई आती हैं। (हवा, पेड़ों, धरती)

२. खेतों, बागों, ... में बूँदें हरियाली फैलाती हैं। (वनों, मैदानों, बगीचों)

३. बूँदें सबका .... हरषाती हैं। (मन, दिल, दिमाग)

४. बूँदें पुरवाई के रथ पर .... इठलाती हैं। (बैठकर, चढ़कर, नाचकर)

उत्तर: १. धरती २. मैदानों ३. मन ४. चढ़कर

प्र.३. निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्य के सामने ✓ और गलत वाक्य के सामने ✗ का चिह्न लगाइए:

१. बूँदों के बरसने से चारों ओर हरियाली छा जाती है। ☐

२. बूँदों के बरसने से गरमी और बढ़ जाती है। ☐

उत्तर: १. ✓ २. ✗

प्र.४. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

	अ		ब
१.	हरियाली	अ.	मुसकातीं बूँदें
२.	शीतलता	ब.	हरषाती बूँदें
३.	सबका मन	क.	पहुँचातीं बूँदें
४.	इठलातीं	ड.	फैलातीं बूँदें

उत्तर: (१ - ड), (२ - क), (३ - ब), (४ - अ)।

प्र.५. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:

१. रिमझिम-रिमझिम गातीं बूँदें,
- धरती पर गीत सुनातीं बूँदें।
- धरती पर हैं नाचती बूँदें।
- धरती पर हैं आतीं बूँदें।

२. धरती से नालों, नदियों में,
- सागर में मिल जातीं बूँदें।
- आसमान में उड़ जातीं बूँदें।
- धरती पर गिर जातीं बूँदें।

उत्तर: १. रिमझिम-रिमझिम गातीं बूँदें, **धरती पर हैं आतीं बूँदें**।

२. धरती से नालों, नदियों में, **सागर में मिल जातीं बूँदें**।

SAMPLE CONTENT

प्र.६. कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पूर्ण करके लिखिए:

१. रिमझिम ...
... फैलातीं बूँदें।

२. गरमी से ...
... हरषातीं बूँदें।

उत्तर: १. रिमझिम-रिमझिम गातीं बूँदें,
धरती पर हैं आतीं बूँदें।
खेतों, बागों, मैदानों में,
हरियाली फैलातीं बूँदें।

२. गरमी से तपते लोगों को,
शीतलता पहुँचातीं बूँदें।
मेंढक, मोर, पपीहे, कोयल,
सबका मन हरषातीं बूँदें।

प्र.७. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए:

१. बूँदें कहाँ-कहाँ हरियाली फैलाती हैं?
उत्तर: बूँदें खेतों, बागों और मैदानों में हरियाली फैलाती हैं।

२. बूँदों के बरसने से कहाँ-कहाँ पानी भर जाता है?
उत्तर: बूँदों के बरसने से नालों, नदियों और सागर में पानी भर जाता है।

३. बूँदें किसको शीतलता पहुँचाती हैं?
उत्तर: बूँदें गरमी से तपते लोगों को शीतलता पहुँचाती हैं।

४. बूँदें किसका मन हरषाती हैं?
उत्तर: बूँदें मेंढक, मोर, पपीहे और कोयल का मन हरषाती हैं।

प्र.८. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:

***१. बूँदें क्या-क्या करती हैं, स्पष्ट कीजिए।**
उत्तर: बूँदें रिमझिम-रिमझिम गाते हुए धरती पर आती हैं। चारों तरफ हरियाली फैलाती हैं। बूँदें नालों, नदी में बरसते हुए सागर से मिल जाती हैं। गरमी में शीतलता पहुँचाती हैं। सबका मन हरषाती हैं और पुरवाई के साथ इठलाती-मुसकाती हैं।

२. बूँदों के धरती पर बरसने से क्या होता है?
उत्तर: बूँदों के धरती पर बरसने से खेतों, बागों, मैदानों में सभी जगह हरियाली छा जाती है। बूँदों से बरसते हुए पानी से नदी, नाले, तालाब, कुएँ भर जाते हैं। नदी-नालों से बहता हुआ पानी जाकर सागर में मिल जाता है।

***३. कविता में आए हुए लयात्मक शब्दों को ढूँढ़कर सुनाओ।**
उत्तर: कविता में आए क्रियात्मक शब्द निम्नलिखित हैं:-
गातीं, आतीं, फैलातीं, जातीं, पहुँचातीं, हरषातीं, इठलातीं और मुसकातीं।

शब्दज्ञान व व्याकरण

प्र.१. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द कविता में से खोजकर लिखिए:

१. भूमि -	२. बगीचा -	३. सरिता - ....
४. समुद्र -	५. ताप -	६. ठंडक - ....

उत्तर:

१. धरती	२. बाग	३. नदी
४. सागर	५. गरमी	६. शीतलता

SAMPLE CONTENT

प्र.२. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द कविता में से खोजकर लिखिए:

१. आसमान × .... २. सिकोड़ती × .... ३. गरमी × ....

उत्तर: १. धरती २. फैलाती ३. शीत

प्र.३. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

१. बूँदें - .... २. नाला - ....

३. नदियाँ - .... ४. पपीहे - ....

उत्तर: १. बूँद २. नाले ३. नदी ४. पपीहा

प्र.४. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए:

१. बूँद २. धरती ३. खेत ४. बाग

५. मेंढक ६. पपीहा ७. कोयल ८. पुरवाई

उत्तर:

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
बूँद	खेत
धरती	बाग
कोयल	मेंढक
पुरवाई	पपीहा

प्र.५. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

१.

म	झि	रि	म

२.

ली	या	ह	रि

३.

ई	पु	वा	र

४.

ती	मु	स	का

उत्तर: १. रिमझिम २. हरियाली ३. पुरवाई ४. मुसकाती

प्र.६. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए:

१. मन २. शीतलता ३. रथ ४. पर

उत्तर: १. मन २. शीतलता ३. रथ ४. पर

बे + मन — **अ** + शीतलता — **वि** + रथ — **तत्** + पर

बेमन — अशीतलता — विरथ — तत्पर

प्र.७. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए:

१. खेत २. सागर ३. नाला ४. शीतल

उत्तर: १. खेत २. सागर ३. नाला ४. शीतल

खेत + **ई** — सागर + **ईय** — नाला + **ई** — शीतल + **ता**

खेती — सागरीय — नाली — शीतलता

SAMPLE CONTENT

आकारिक मूल्यांकन (Formative Assessment)

***प्र.१.किसी अन्य परिचित कविता का सस्वर वाचन करें।**

उत्तर: निर्देश: शिक्षक छात्रों की परिचित कविता सुनकर उनके उच्चारण व आरोह-अवरोह पर ध्यान दें।

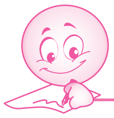

अनुलेखन

प्र.१. निम्नलिखित शब्दों का अनुलेखन कीजिए।

उत्तर:

१. रिमझिम	२. मैदानों	३. पुरवाई	४. [illegible]लातीं
५. बूँद	६. शीतलता	७. पहुँचाती	८. हर्ष
९. इठलाना	१०. मुसकाना		

SAMPLE CONTENT

Std.V

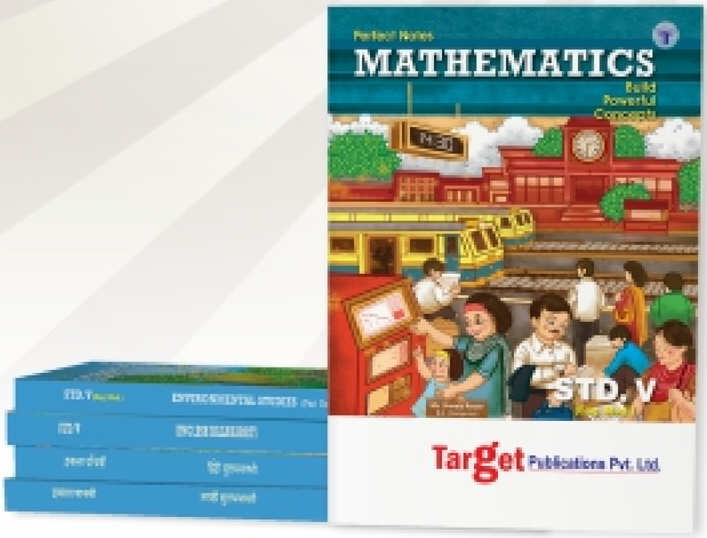

AVAILABLE SUBJECTS:

- English Balbharati
- हिंदी सुलभभारती
- मराठी सुलभभारती
- Mathematics
- Environmental Studies (I & II)

BUY NOW

SALIENT FEATURES:

- Based on the latest syllabus prescribed by the Board
- Extensive coverage of all textual questions and concepts
- Replete with a multitude of exercises to facilitate revision
- Complete Glossary, Paraphrases and Summaries provided for all languages
- Activities/Projects that help in experiential learning
- A wide array of practice questions given to strengthen the concept base in Maths and E.V.S

Target Publications Pvt. Ltd.

88799 39712 / 13 / 14 / 15
mail@targetpublications.org
www.targetpublications.org